सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि

[स्रोत: पी.आई.बी]

हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने **सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की**, जो **15 दिसंबर, 1950 को हुई थी**।

- उनके अडिग संकल्प और दृढ़ दृष्टिकोण के कारण उन्हें व्यापक रूप से **"भारत के लौह पुरुष" के** रूप में मान्यता प्राप्त है, और उन्हें **राष्ट्रीय एकता के प्रतीक** के रूप में जाना जाता है।

राजनीतिक उपलब्धियाँ:

- **खेड़ा सत्याग्रह (1918): उन्होंने सूखे के कारण खराब फसल** से प्रभावित किसानों के लिये कर छूट की मांग करते हुए खेड़ा सत्याग्रह में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **बारदोली सत्याग्रह (1928):** बारदोली सत्याग्रह के दौरान अनुचित कर वृद्धि के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण उन्हें इस नेतृत्व के लिये "सरदार" की उपाधि प्रदान की गई।
- गांधीजी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर **वर्ष 1930 में** नमक सत्याग्रह **जैसे आंदोलनों** का नेतृत्व किया और इसमें शामिल होने के कारण उन्हें कई बार कारावास के दंड का भी सामना करना पड़ा।
- **उन्होंने कराची** में वर्ष **1931 के कॉन्ग्रेस अधिवेशन** की अध्यक्षता की तथा गांधी-इरविन समझौते, **मौलिक अधिकारों** और **राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम** पर प्रस्ताव के संबंध में चर्चाओं का नेतृत्व किया।
- उन्होंने लगभग **562 रियासतों** को भारतीय संघ में एकीकृत करने का नेतृत्व किया, जिससे लाखों लोगों के लिये स्थिरता और लोकतंत्र सुनिश्चित हुआ।
- राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस (21 अप्रैल) सरदार पटेल के 1947 के भाषण का सम्मान करता है, जिसमें उन्होंने सिविल सेवकों को **"भारत का इस्पाती ढाँचा"** कहा था तथा लोकसेवा के प्रति उनके समर्पण को सुदृढ़ किया था।
- उन्होंने संविधान सभा में मौलिक अधिकार, अल्पसंख्यक तथा **जनजातीय एवं अपवर्जित क्षेत्रों** पर सलाहकार समिति की अध्यक्षता की।
- **31 अक्तूबर, 2018** को सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देने के लिये विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा, स्टैचयू ऑफ यूनिटी का उद्घाटन **गुजरात के केवडिया** में किया गया, जिसकी ऊँचाई 182 मीटर (600 फीट) है।

//

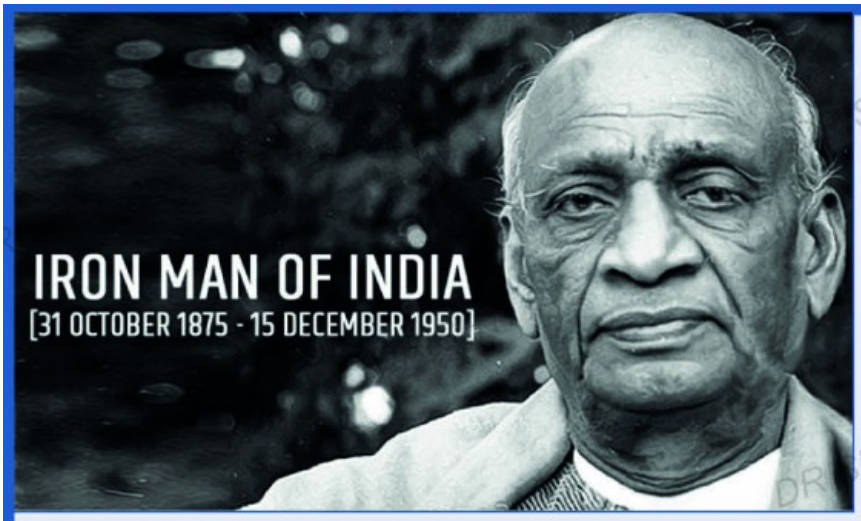

सरदार वल्लभ भाई पटेल

परिचय

- भारत के **पहले गृहमंत्री तथा उप-प्रधानमंत्री**
- बारदोली की महिलाओं द्वारा **'सरदार'** की उपाधि दी गई

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का दृष्टिकोण

- इनके जन्मदिन को **राष्ट्रीय एकता दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- इनकी स्मृति में गुजरात में वर्ष 2018 में **'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी'** का अनावरण किया गया।

संविधन सभा की समितियाँ जिनकी अध्यक्षता सरदार वल्लभ भाई पटेल ने की

- **मूल अधिकारों पर** सलाहकार समिति
- **अल्पसंख्यकों और जनजातीय एवं वंचित क्षेत्रों पर** समिति
- **प्रांतीय गठन समिति**

प्रमुख योगदान

- **खेड़ा (1918)** तथा **बारदोली (1928)** आंदोलनों को राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ एकीकृत किया।
- **कॉन्ग्रेस के 46 वें अधिवेशन (मार्च 1931) की अध्यक्षता** करते हुए **गांधी-इरविन समझौते** की पुष्टि का आह्वान किया।
- इन्हें **'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत'** के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इन्होने **आधुनिक अखिल भारतीय सेवा प्रणाली की स्थापना** की।
- इन्होंने लगभग **565 देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय** करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके चलते इन्हें **'भारत का लौह पुरुष'** के रूप में जाना गया।

और पढ़ें: [सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tribute-to-sardar-vallabhbhai-patel